केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०१५ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २०१६ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का जन्म दिन ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
विभाग-१, कुल गुण (३६)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३०)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
विभाग-३, कुल गुण (३४)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

विभाग – १ : घनश्याम चरित्र – पाँचवाँ संस्करण, जनवरी – २०१५

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''हम, घनश्याम के साथ मल्लयुद्ध करके उसे पराजित कर सकते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''हम एक हज़ार वैरागी खांपा तलैया पर उतरे हैं ।''

३. ''अगर खाना है तो चने या गुड़पपडी दूँ ।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. गृहत्याग करके निकले हुए घनश्याम को क्या करना था ?

.....

.....

२. चारों ओर पानी ही पानी हो जाने पर किस किस को चिन्ता होने लगी ?

३. घनश्याम ने किसको आँखों की रोशनी दी ?

४. घनश्याम ने भक्तिमाता को अंतकाल के समय किस स्वरूप का दर्शन करवाया ?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों की पिटाई : छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों की पिटाई : **अयोध्या** में घनश्याम **बरामदे** में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर **पूड़ी** झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **सारी रसोई खा गए :** इच्छाराम तो इतने सारे संतों का सीधा अकेले ही ले गया ! सुवासिनी को फिर से रसोई बनानी पड़ेगी, वरना संतों को क्या खिलाएँगे ?

उ. .....

.....

२. **नई बत्तीसी :** रामप्रताप को खिचड़ी परोसी । अपनी थाली में से छोटे भाई घनश्याम को खिचड़ी देकर रामप्रताप ने दो कौर खिचड़ी खाई और हाथ-मुँह धो डाला ।

३. **नाई को चमत्कार :** घनश्याम मीन सरोवर में स्नान करके धर्मपिता के साथ बालकों को खाना देने लगे । पिता ने आज ब्राह्मणों को बताशे बाँटे ।

४. **चोर चिपक गए :** रामप्रताप रोज़ की तरह हाथ में दूध का लोटा लेकर बगीचे में दातून करने आ पहुँचे । पेड़ पर बैठे हुए ब्राह्मणों ने उनको देखा तो पसीना गिराने लगे ।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) **[५]**

१. कोटरा की मौत । २. हिंसा बन्द करवाई ।

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. रामचन्द्र के रूप में दर्शन

(१) ☐ घनश्याम बाहर नहीं निकले ।

(२) ☐ हमारे बच्चें बाहर नहीं निकले ।

(३) ☐ इच्छाराम का पता लगाओ ।

(४) ☐ घनश्याम का पता लगाओ ।

२. लक्ष्मीबाई ने देखा एक–चमत्कार

(१) ☐ माधवराम के घर गए ।

(२) ☐ लक्ष्मीबाई रसोईघर में आई ।

(३) ☐ आज मैंने स्वयं अपनी आँखों से इसे देखा है ।

(४) ☐ तुम्हारा सुखराम ही चोरी में पारंगत है ।

३. बालमित्रों को भोजन करवाया

(१) ☐ आठ स्त्रियाँ सिद्धियाँ थीं ।

(२) ☐ रूमाल पीपल की डाली पर बाँध दिया ।

(३) ☐ लाओ हलुवा, हमें खूब भूख लगी है ।

(४) ☐ स्वर्ण–पात्र थे ।

४. मौसी को चमत्कार ।

(१) ☐ भक्तिमाता की बहनें – बसन्ताबाई, पूनमबाई ।

(२) ☐ बसन्ताबाई के पुत्र का नाम माणेकधर ।

(३) ☐ जागो जागो जग जीवन प्यारा....

(४) ☐ दो स्वरूप में दर्शन देकर चमत्कार बताया ।

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. भक्तिमाता ने घनश्याम को गुड़ खाने के लिए दिया ।

.....

.....

.....

.....

२. धर्मदेव तो रामप्रताप और घनश्याम को लेकर जंगल में गए ।

३. घनश्याम ने भूतों को बदरिकाश्रम में भेज दिया ।

विभाग – २ : योगीजी महाराज – तृतीय संस्करण, जनवरी – २०१४

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''बातों–बातों में आसानी से उनके ज्ञान एवं अनुभव का लाभ होता ही है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तुम्हारे अपने गाँव में यदि ऐसा मण्डल न हो तो स्थापित करना ।''

३. ''ऐसी ऊध्वरेखा वाले व्यक्ति बहुत कम होते हैं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. योगीजी महाराज के पास किस की मूर्ति थी ?

.....

.....

२. सद्‌गुरु कृष्णचरणदास स्वामी किसके शिष्य थे ?

३. प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थीयों को कितने घण्टे अध्ययन करना जरूरी है ?

४. सबसे ऊँचा पद क्या है ?

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : सेवामय संत

१. रसोई और भोजन के छोटे-बड़े सारे बर्तन साफ़ करते । **२.** मटके और बड़े-बड़े बरतन साफ़ करते । **३.** प्रातःकाल में उठकर स्नान से निवृत होकर, वे तुरन्त खेत में पहुँच जाते । **४.** चार सौ रोटियाँ बना डालते । **५.** सुबह से शाम तक वे सेवा ही किया करते थे । **६.** रोटियाँ बनाते समय वचनामृत बोलते और कभी भजन भी गाते रहते । **७.** कपड़े से छानकर पानी भरते । **८.** जिमाने का काम भी वे ही करते । **९.** सारे सन्तों को - हरिभक्तों को भोजन कराने के बाद ही वे स्वयं भोजन करते । **१०.** रसोई तैयार होते ही 'स्वामिनारायण हरे' की पुकार लगाते । **११.** उनका जीवन सेवाभावी बनने की ओर संकेत करता है । **१२.** नदी में से पानी लाकर भर लेते ।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) **[५]**

१. झीणा भगत जूनागढ़ में २. गुरुभक्ति

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. धारी गाँव के लोग पुल के पास की नदी को पातालिया हद कहते हैं ।

.....

.....

.....

.....

२. मोहनकाका की बात सुनकर झीणाभाई बहुत खुश हो गये ।

३. गढ़डा में मूर्तिप्रतिष्ठा का समारोह योगीजी महाराज के तत्त्वाधान में किया गया ।

विभाग – ३ किशोर सत्संग प्रारंभ – द्वितीय संस्करण, जनवरी – २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. हमारे बुरे आचरण से किस का नाम बदनाम होता है ?

.....

.....

२. पूजा डोडिया किस गाँव के थे ?

३. वाल्मीकि ने किस की रचना की ?

४. प्रार्थना किसे कहते हैं ?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अखण्डानन्द स्वामी

(१) ☐ जैसे गुण वैसे काम । (२) ☐ मैं आत्मा हूँ, अमर हूँ ।

(३) ☐ मेरी शांति कौन खण्डित कर सकता है । (४) ☐ बाघ के हृदय में परिवर्तन हुआ ।

२. वीर भगुजी

(१) ☐ गले में घाव । (२) ☐ देखने में वामन कद के थे ।

(३) ☐ पंद्रह घाव हुए । (४) ☐ मतारा भाग खड़ा हुआ ।

३. भगवान को किस प्रकार प्रसन्न करें ?

(१) ☐ मानव सेवा करना । (२) ☐ यह काम तो युवकों का है ।

(३) ☐ मन्दिर में जाने की आदत डालें । (४) ☐ बुढ़ापे में भक्ति करना ।

४. नीलकंठवर्णीने

(१) ☐ नव लाख योगियों का उद्धार किया । (२) ☐ सिद्धयोगी के पास अष्टांगयोग सीखे ।

(३) ☐ पीपलाणा में मुक्तानन्द स्वामी से पाँच प्रश्न पूछे । (४) ☐ भारत देश में घूमकर सौराष्ट्र पधारे ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **[४]**

१. ..... स्वामी ने ..... गाँव में आरती की रचना की ।

२. पूजा डोडिया ..... घोडी के लिए ..... लेकर गढ़डा जाते थे ।

३. ..... गाँव में रहने वाले गंगा माँ ..... की शिष्या थी ।

४. गुणातीतानंद स्वामी ने संवत् ..... में ..... गाँव में अपनी जीवनलीला समाप्त की ।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **[८]**

१. वाणी है जिनकी .....

..... सदा भाव से ।

२. हृदय भाव से ..... ब्रह्म और परब्रह्म ।

३. नहीं डरते ..... गान गाएँगे ।

४. पुरुषोत्तम प्रगट का ..... कर दीन्ही ।

प्र.१६ 'यदी कोई भगवान.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।**
(पंद्रह पंक्तियाँ) **[५]**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१७ 'शूरवीर बालभक्त' – **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।**
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) **[५]**

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

* * *

☞ **अगत्य की सूचना :** सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित **website - link** पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।
http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx